03/FH/CC/M–2023–29

पुस्तिका शृंखला

A

उम्मीदवार का अनुक्रमांक

100021

प्रश्न–पुस्तिका

हिन्दी भाषा और साहित्य

समय : 2 घण्टे **पूर्णांक : 100**

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले नीचे लिखे अनुदेशों को ध्यान से पढ़ लें।

महत्त्वपूर्ण अनुदेश

1. इस प्रश्न-पुस्तिका में कुल **100** प्रश्न हैं।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
4. **परीक्षा आरम्भ होते ही आप अपनी प्रश्न-पुस्तिका की जाँच कर देख लें कि इसके ऊपर दायीं ओर प्रश्न-पुस्तिका की शृंखला मुद्रित है। कृपया जाँच लें कि पुस्तिका में रफ़ कार्य हेतु तीन पृष्ठों (पृष्ठ संख्या 22 से 24) सहित पूरे 24 मुद्रित पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न या पृष्ठ बिना छपा हुआ या फटा हुआ या दोबारा आया हुआ तो नहीं है। पुस्तिका में किसी प्रकार की त्रुटि पाने पर तत्काल इसके बदले इसी शृंखला की दूसरी सही पुस्तिका ले लें।**
5. इस पृष्ठ के ऊपर निर्धारित स्थान में अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें। प्रश्न-पुस्तिका पर और कुछ न लिखें।
6. प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको वीक्षक द्वारा अलग से उत्तर पत्रक दिया जायेगा। **अपने उत्तर पत्रक के पृष्ठ-2 पर निर्धारित स्थान में अपना नाम, अनुक्रमांक, प्रश्न-पुस्तिका शृंखला तथा अन्य विवरण अवश्य लिखें अन्यथा आपका उत्तर पत्रक जाँचा नहीं जायेगा।**
7. उत्तर पत्रक के **पृष्ठ-2** पर निर्धारित स्थान में अपने **अनुक्रमांक** तथा **प्रश्न-पुस्तिका की शृंखला A, B, C या D** जैसा इस प्रश्न-पुस्तिका के आवरण पृष्ठ के ऊपर दायीं ओर अंकित है, से सम्बन्धित कोष्ठक को काली/नीली स्याही के बॉल-पॉइन्ट पेन से अवश्य कूटबद्ध करें। **उत्तर पत्रक पर प्रश्न-पुस्तिका शृंखला अंकित नहीं करने अथवा गलत शृंखला अंकित करने पर उत्तर पत्रक का सही मूल्यांकन नहीं होगा।**
8. इस पुस्तिका में सभी प्रश्न और उनके उत्तर हिन्दी में मुद्रित हैं। प्रत्येक प्रश्न के **चार** उत्तर—(A), (B), (C) और (D) क्रम पर दिये गये हैं। उनमें से आप सबसे सही **केवल एक** उत्तर को चुनें और अपने उत्तर पत्रक पर अंकित करें। यदि आपको ऐसा लगे कि किसी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर सही हैं, तो आप अपने उत्तर पत्रक में उस उत्तर को अंकित करें जो आपको सर्वोत्तम लगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए **केवल एक** ही उत्तर चुनना है। आपका कुल प्राप्तांक आपके द्वारा उत्तर पत्रक में अंकित सही उत्तरों पर निर्भर होगा।
9. उत्तर पत्रक में प्रत्येक प्रश्न संख्या के सामने **चार** वृत्त इस प्रकार बने हुए हैं—(A), (B), (C) और (D)। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको अपनी पसन्द के **केवल एक वृत्त को काली/नीली स्याही के बॉल-पॉइन्ट पेन** से चिह्नित करना है। प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक उत्तर को चुनें और उसे अपने उत्तर पत्रक में चिह्नित करें। आप उत्तर पत्रक में यदि एक प्रश्न के लिए एक से अधिक वृत्त में निशान लगाते हैं, तो आपका उत्तर गलत माना जायेगा। **उत्तर पत्रक में उत्तर को चिह्नित करने के लिए केवल काली/नीली स्याही के बॉल-पॉइन्ट पेन का ही प्रयोग करें। किसी भी प्रकार का काट-कूट अथवा परिवर्तन मान्य नहीं है।**
10. प्रश्न-पुस्तिका से कोई पन्ना फाड़ना या अलग करना मना है। प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर पत्रक को परीक्षा की अवधि में परीक्षा भवन से बाहर कदापि न ले जायें। **परीक्षा के समापन पर उत्तर पत्रक वीक्षक को अवश्य सौंप दें।** उसके बाद आपको अपनी प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जाने की अनुमति है।
11. ऊपर के अनुदेशों में से किसी एक का भी पालन नहीं करने पर आप पर आयोग के विवेकानुसार कार्रवाई की जा सकती है अथवा आपको दण्ड दिया जा सकता है।

SEAL

www.bpscpathshala.com

1. निम्नलिखित में से सही उक्ति कौन-सी है?

(A) अपभ्रंश मध्यकालीन उत्तर-भारतीय क्षेत्र की माध्यम भाषा थी।

(B) अपभ्रंश मध्यकालीन उत्तर-भारतीय क्षेत्र के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकारों की माध्यम भाषा थी।

(C) अपभ्रंश मध्यकालीन उत्तर भारत एवं महाराष्ट्र क्षेत्र में क्षेत्रीय स्थानीय प्रभावानुसार भिन्न-भिन्न रूपों में माध्यम भाषा थी।

(D) अपभ्रंश उत्तर भारत-महाराष्ट्र क्षेत्र में जैन धर्माचार्यों के धार्मिक एवं हिन्दू संस्कारों के प्रचार-प्रसार की लिखित भाषा थी।

2. निम्नलिखित में से सही उक्ति कौन-सी है?

(A) अवहट्ठ (अवहट्ठ) अपभ्रंश से भिन्न स्वतन्त्र भाषा थी।

(B) अवहट्ठ भाषा क्षेत्रानुसार प्रभाव ग्रहण करती अपभ्रंश से आगे बढ़ी हुई भाषा थी।

(C) अवहट्ठ ग्रामीणजनों की भदेसी-व्याकरण-अनुशासन रहित भाषा थी।

(D) अवहट्ठ भाषा अपभ्रंश भाषा का वह अग्रेसित रूप थी, जो साधारण जनता की बोल-चाल की भाषा से सम्मिश्रित थी।

3. साहित्यिक भाषा के रूप में अवहट्ठ के प्रथम प्रयोक्ता हैं

(A) पाणिनि

(B) व्याडि

(C) पतञ्जलि

(D) विद्यापति

4. अपभ्रंश भाषा की व्याकरणिक व्यवस्था में स्वर-व्यञ्जन ध्वनियाँ संस्कृत व्यवस्था से भिन्न हुई, कौन-सी व्यवस्था सही है?

(A) संस्कृत, पालि की सभी ध्वनियों का प्रयोग यथावत् होता है।

(B) स्वर ध्वनियों में ऐ, औ, ऋ, ॠ, ऌ, अं, अः एवं स्वरों के मध्य में पड़ने वाली क, ख, त, थ, प, फ ध्वनियाँ क्रमशः ग, घ, द, ध, ब, भ हो जाती हैं।

(C) अपभ्रंश भाषा में संस्कृत ध्वनियों का विकृत उच्चारण होता है।

(D) अपभ्रंश में 'उ' ध्वनि का प्रयोग न होकर उसकी जगह 'अ' का प्रयोग होता है।

5. अपभ्रंश भाषा साहित्य का विशिष्ट काल है

(A) ईस्वी सन् 1 से 600 ई० तक

(B) ईस्वी सन् 500 से 1000 ई० तक

(C) ईस्वी सन् 700 से 1200 ई० तक

(D) ईस्वी सन् 400 से 900 ई० तक

6. 'हिन्दी भाषा का इतिहास' शीर्षक ग्रन्थ किसने रचा है?

(A) डॉ० उदय नारायण तिवारी

(B) डॉ० भोलानाथ तिवारी

(C) डॉ० बाबूराम सक्सेना

(D) डॉ० धीरेन्द्र वर्मा

www.bpscpathshala.com

7. आदिकालीन हिन्दी की ध्वनि-व्यवस्था से संबंधित कौन-सा मत समुचित है?

(A) ध्वनि-व्यवस्था की दृष्टि से अपभ्रंश और आदिकालीन हिन्दी एक जैसी ही हैं।

(B) अपभ्रंश की अपेक्षा आदिकालीन हिन्दी में फारसी ध्वनियों का आगम अधिक होने का अन्तर है।

(C) आदिकालीन हिन्दी में ड, ढ़, न्ह, म्ह, व्यञ्जन ध्वनियाँ एवं 'ऐ', 'औ' संयुक्त स्वर अधिक प्रचलित हुए।

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8. साहित्यिक भाषा के रूप में अवधी भाषा के विकास के संबंध में दिए गए निम्नलिखित वक्तव्यों में से कौन-सा सर्वाधिक उचित है?

(A) अवधी भाषा का साहित्य-रचना की दृष्टि से प्रयोग राउलवेल, उक्तिव्यक्ति प्रकरण, प्राकृत पैंगलम् के छन्दों में सर्वप्रथम दिखाई देता है।

www.bpscpathshala.com

(B) साहित्य-रचना के लिए प्रथम प्रयोग मुल्ला दाऊद की लोरकहा या चन्दायन, लालचदास कृत 'हरिचरित', ईश्वरदास कृत 'सत्यवती' रचनाएँ हैं।

(C) अवधी भाषा का साहित्यिक रूप सर्वप्रथम जायसी की 'पद्मावत', कुतुबन कृत 'मृगावती' में मिलता है।

(D) अवधी भाषा में साहित्य-सृजन जो तुलसीदास के 'रामचरितमानस', कबीरदास कृत 'रमैनी' और 'सबद' में मिलता है। हिन्दी का वही प्राथमिक रचना रूप है।

9. ब्रजभाषा में साहित्य-रचना के आरंभिक रूपों के संबंध में प्रचलित निम्नलिखित मान्यताओं में से कौन-सी सर्वाधिक सही मान्यता है?

(A) ब्रजभाषा साहित्य के आरंभिक रूप सूरदास, कुम्भनदास, नन्ददास और बिहारी की रचनाओं में मिलते हैं।

(B) ब्रजभाषा के प्रारंभिक रूप ब्रजबुलि, ब्रजाली, कीर्तिपताका, विद्यापति पदावली, रसखान की रचनाओं में मिलते हैं।

(C) ब्रजभाषा के प्रारंभिक साहित्यिक रूप सन्देशरासक, प्राकृत पैंगलम्' खुमान रासो में मिलते हैं।

(D) ब्रजभाषा के प्रारम्भिक साहित्य रूप 'प्रद्युम्न-चरित्र', विष्णुदास कृत 'महाभारत कथा', 'सनेहयलीला' मानिक की 'बैताल पचीसी' में मिलते हैं।

10. परिनिष्ठित हिन्दी खड़ीबोली के साहित्य-रूप में विकास का प्रामाणिक मान्य मत कौन-सा है?

(A) हिन्दी (स्टैन्डर्ड-परिनिष्ठित) की आरंभिक रचनाएँ हैं—गुरु गोरखनाथ की गोरखबानी, गुरु रामानन्द की स्तुतियाँ, गुरु नामदेव के भजन और दक्खिनी हिन्दी साहित्य

(B) परिनिष्ठित हिन्दी का प्रामाणिक प्रारंभिक साहित्य कवि गंग की चन्द-छन्द वर्णन की महिमा, गुरुनानक देव के भजन, दादू, रज्जब की बानियाँ हैं।

(C) परिनिष्ठित हिन्दी खड़ीबोली की प्रामाणिक रचनाएँ—जटमल कृत 'गोराबादल की कथा, दक्खिनी हिन्दी के कवियों का कुतुबशतम् और सन्त प्राणनाथ कृत 'कुलजम स्वरूप', कृतियाँ हैं।

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

11. हिन्दी के लिए प्रयुक्त की जाने वाली देवनागरी लिपि पूर्णतः उपयुक्त है, क्योंकि

(A) आदर्श लिपि के सभी-के-सभी मानकों पर यह खरी उतरती है।

(B) भाषा जो मुख से बोली जाती है, उसे ठीक ऐसे रूप में यह लिखती है कि उसे पढ़ते ही, ध्वनि रूप में भाषा के भाव स्पष्ट हो जाते हैं।

(C) भारतीय परिवेश में आदिकाल से लिपि-निर्माण में जितने भी आविष्कार हुए, हिन्दी के वर्णों के अनुरूप यही लिपि लगभग सर्वोत्तम आक्षरिक लिपि को अभिव्यक्त करती है।

(D) इसका विकास ब्राह्मी लिपि से हुआ है, अतः भाषा को सर्वोत्तम रूप में अभिव्यक्त करती है।

12. लिपि-विज्ञान की दृष्टि से देवनागरी लिपि किस सरणि या प्रकार की कही जाएगी?

(A) चित्र-लिपि

(B) वर्णनात्मक लिपि

(C) संकेतात्मक लिपि

(D) आक्षरिक लिपि

13. देवनागरी लिपि में अभी भी सुधार-परिष्कार की आवश्यकता है, क्योंकि

(A) ध्वनिमयी भाषा के अनुरूप प्रत्येक ध्वनि को सटीक रूप में अभिव्यक्त नहीं कर पाती

(B) लिखने में कठिनाई होती है, तिमंजिले मकान की तरह बीच में लिखे अक्षर के ऊपर और नीचे, फिर बाएँ और दाएँ मात्राएँ लगाने में कठिनाई होती है

(C) वर्णों के लिए लिपिचिह्न जरूरत से कम हैं

(D) टंकण-मुद्रण-दूरदर्शन-फलक, मोबाइल प्रिंटिंग में बटन दबा-दबा सहजता से लिखी नहीं जा सकती

14. श्रेष्ठ लिपि के गुणों के अनुरूप देवनागरी लिपि के सुधार-परिष्कार के प्रयासों से परिपूर्ण श्रेष्ठता प्राप्त करने की दशा कैसी रही?

(A) महाराष्ट्र-लिपि सुधार समिति—महादेव गोविन्द रानाडे के सभापतित्व में—ने अपेक्षित संशोधन पूरे कर दिए।

(B) महात्मा गाँधी, विनोबा भावे, काका कालेलकर समिति ने लिपि-चिह्नों को घटा-बढ़ा, लिपि-चिह्नों के रूप में परिवर्तन कर विशुद्ध रूप दे दिया।

(C) उत्तर प्रदेश के प्रयाग के हिन्दी-साहित्य सम्मेलन, काशी की नागरी प्रचारिणी सभा की श्रीनिवास समिति फिर आचार्य नरेन्द्रदेव के सभापतित्व में गठित समिति ने इसका पूर्ण परिमार्जन कर दिया।

(D) अनुभवी विद्वानों, लिपि-विज्ञान के देशी-विदेशी विशेषज्ञों, भारत सरकार के तकनीकी शिक्षा आयोग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय आदि की समय-समय पर की गई लिपि सुधार की कोशिशों, सुधारों के बावजूद अभी भी देवनागरी लिपि पूर्णतः वर्णनात्मक लिपि नहीं बन सकी है।

www.bpscpathshala.com

15. भारतीय स्वतन्त्रता-प्राप्ति की भावना जगाने की बेला में हिन्दी भाषा की भूमिका क्या थी?

(A) अवधी-ब्रजभाषा क्षेत्रों में एकता स्थापित करने में समर्थ हुई।

(B) पंजाबी-सिन्धी भाषी जनता की भावाभिव्यक्ति का माध्यम बनी।

(C) बंगाल, असम के पूर्व सीमा क्षेत्र से महाराष्ट्र' सिंध के पश्चिमी सीमा क्षेत्र तक बोली जाने लगी।

(D) ब्रिटिश शासित समस्त भारत की राष्ट्रीय भावना जगाने का साधन बनी।

16. भारतवर्ष पर शासन करते रहने के लिए ब्रिटिश सरकार ने अंग्रेज अफसरों को किस भारतीय भाषा को सिखाने का विशेष प्रयत्न किया?

(A) बाङ्ला

(B) मराठी

(C) पंजाबी

(D) हिन्दुस्तानी (उर्दू)

17. भारतीय स्वतन्त्रता-प्राप्ति आन्दोलन के सत्याग्रहियों ने हिन्दी भाषा के किस विशेष रूप को अपनाया?

(A) खड़ीबोली

(B) उर्दू या हिन्दुस्तानी

(C) ब्रजभाषा

(D) अवधी

18. स्वाधीनता सेनानियों ने बाङ्ला, तमिल, मराठी, पंजाबी, गुजराती जैसी श्रेष्ठ भाषाओं के होते हुए भी हिन्दी भाषा को उसके किस विशेष गुण से अपनाया?

(A) हिन्दी के श्रेष्ठ साहित्य के कारण

(B) हिन्दी भाषी जनता की संख्या गरिष्ठता के कारण

(C) किसी भी भारतीय भाषा-भाषी को सीख लेने की सहजता के कारण

(D) अंग्रेजों का विरोध करने की प्रबल भावना के कारण

19. स्वतन्त्रता आन्दोलन के लिए प्रमुख भूमिका निभाने पर भी स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी राष्ट्रभाषा क्यों न बन पायी?

www.bpscpathshala.com

(A) हिन्दी भाषा-भाषियों द्वारा सौहार्द-भावना का अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाना

(B) मद्रास और बंगाल की जनता की हिन्दी-विरोधी मानसिकता के कारण

(C) अंग्रेजी भाषा के पक्षधर भारतीयों की हिन्दी-विरोधी भावनाओं के कारण

(D) हिन्दीतर भाषा-भाषियों के मन में पैदा हुई भय की भावना के कारण

20. हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने का प्रथम प्रस्ताव किस विशेष व्यक्ति द्वारा प्रकाशित रूप में रखा गया ?

(A) सुभाष चन्द्र बोस द्वारा आज़ाद हिन्द फौज की पत्रिका में

(B) मदन मोहन मालवीय जी द्वारा 'हिन्दुस्तान' समाचार-पत्र के सम्पादकीय में

(C) असम-बंगाल के नेता विपिन चन्द्र पाल द्वारा बाङ्ला पत्रिका में

(D) महर्षि अरविन्द द्वारा सम्पादित बाङ्ला पत्रिका 'वन्देमातरम्' में प्रकाशित केशव चन्द्र सेन द्वारा प्रस्तुत

21. हिन्दी भाषा भारत की 'राजभाषा' के रूप में स्वीकृत हुई

(A) पं० जवाहरलाल नेहरू और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के प्रयत्नों से

(B) पुरुषोत्तम दास टंडन, काका कालेलकर, पं० श्रीनारायण चतुर्वेदी के प्रयत्नों और प्रस्ताव के पक्ष में मतदान कर बहुमत सिद्ध कर देने पर

(C) तमिल भाषी श्री गोपाल स्वामी आयंगार के प्रस्ताव का तमिल भाषियों, बाङ्ला भाषा-भाषियों, तेलुगू, कन्नड, गुजराती, मराठी और कश्मीरी भाषा-भाषियों के समर्थन से पारित प्रस्ताव से

(D) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद और पं० जवाहरलाल नेहरू की हिन्दी के प्रति प्रेम की भावना से

22. भारतीय गणराज्य के राजभाषा प्रस्ताव के पारित होने का विवरण संविधान के निम्नलिखित में है :

(A) संविधान के भाग 16 के अनुच्छेद 300 से 305 तक में

(B) संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343 से 351 तक में

(C) भारतीय संविधान के राजभाषा अनुभाग के अध्याय-1 की संघ की भाषा अनुभाग में

(D) संविधान की प्रादेशिक तथा राज्य की एक राज्य से दूसरे राज्य में पत्र-व्यवहार की भाषा के विवरण में

www.bpscpathshala.com

23. हिन्दी भाषा के क्षेत्रीय भाषा-रूपों में गिनी जाने वाली बिहारी भाषा के अन्तर्गत गिनी जाने वाली भाषाओं का विशुद्ध वर्ग है

(A) पूरबी हिन्दी, अवधी, मगही

(B) मैथिली, मगही, भोजपुरी

(C) भोजपुरी, मगही, छपरहिया

(D) मगही, नगपुरिया, खखरिया

24. हिन्दी भाषा के क्षेत्रीय भाषा-रूपों में पश्चिमी हिन्दी वर्ग में गिनी जाने वाली उपभाषाएँ हैं

(A) ब्रजभाषा, खड़ीबोली, बाँगरू-कौरवी, कन्नौजी, बुन्देली

(B) हरियाणवी, निमाड़ी, ब्रजभाषा, उर्दू, कौरवी

(C) राजस्थानी, ब्रजभाषा, बघेली, कन्नौजी

(D) निमाड़ी, ब्रजभाषा, कन्नौजी, बाँगरू

25. परिनिष्ठित हिन्दी खड़ीबोली की वाक्य-संरचना के जो विविध प्रकार मिलते हैं उनके व्याकरणिक विभाजन का सही वर्ग है

(A) सरल वाक्य, मिश्र वाक्य, अति सहज वाक्य

(B) सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य, अपूर्ण वाक्य

(C) सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य, मिश्र वाक्य

(D) सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य, आश्रित वाक्य या उपवाक्य

26. हिन्दी नाम-पदों या संज्ञा-पदों के लिंगानुसार भेद होते हैं

(A) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग

(B) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसक लिंग

(C) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, द्विरूपी लिंग, नपुंसक लिंग

(D) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, विकृत लिंग, निर्लिंग

27. हिन्दी पुल्लिंग रूपों में किंचित् परिवर्तन कर अथवा स्त्रीलिंग निर्माणपरक प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग पद बना लिए जाते हैं। ऐसे स्त्री-प्रत्यय हैं

(A) ई, इया, इन, इनी, आनी, आइन, निनी

(B) इन, इया, इयनी, आइन

(C) आनी, इन, इआ या इया, आनी, आइन, नी

(D) इन, इया, ई, आनी, नी

28. निम्नलिखित में से कौन-सा भाववाच्य का वाक्य है?

(A) बरसते पानी में लकड़ी भींग रही है।

(B) बरसता हुआ पानी लकड़ी भिंगो रहा है।

(C) लकड़ी पानी से भींग नहीं रही है।

(D) लकड़ी को पानी भिंगो रहा है।

www.bpscpathshala.com

29. निम्नलिखित में से कौन-सा संस्कृत का स्त्रीलिंग शब्द हिन्दी में पुल्लिंग हो गया है?

(A) देवता

(B) पशुता

(C) दीनता

(D) प्रभुता

30. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'ई' कारान्त होने पर भी पुल्लिंग है?

(A) रानी

(B) कहानी

(C) पानी

(D) बानी

31. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द स्त्री-बोधक होकर भी पुल्लिंग है?

(A) दारा

(B) अबला

(C) महिला

(D) प्रबला

32. निम्नलिखित में से किस विशेष वाक्य में 'से' करण कारक का चिह्न है?

(A) तुमसे नहीं होगा।

(B) पेड़ से पत्ता गिरा।

(C) सभी एक जैसे हैं।

(D) फूल एक-से-एक सुन्दर हैं।

33. निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में 'है' सहायक क्रिया प्रयुक्त हुई है?

(A) ठीक है।

(B) गलत है।

(C) कहने योग्य नहीं है।

(D) सभी कुछ ब्रह्म है।

34. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' बताने वाले ग्रन्थों में प्रायः ही 'आदिकाल' नामकरण मिलता है। यह नामकरण निम्नलिखित में से किस विशेष की स्थिति अभिव्यक्त करता है?

(A) साहित्यधारा की प्रमुख प्रवृत्ति का

(B) एक विशेष विचारधारा की प्रारंभिक परिस्थिति का

(C) आरंभ की जा रही चेतना का

(D) समय-प्रवाह के एक विशेष खण्ड का

www.bpscpathshala.com

35. पं० रामचन्द्र शुक्ल ने अपने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' ग्रन्थ में जो काल-विभाग किया है, वह काल या समय और साहित्य-प्रवृत्ति दोनों को साथ रखते हुए किया है—उसके संबंध में निम्नलिखित दृष्टिकोणों में से कौन-सा सर्वाधिक सही है?

(A) चारों कालों की प्रवृत्तियाँ अस्पष्ट रह गई हैं

(B) तीन कालों में केवल कविता युग दिखाना और आधुनिककाल को केवल गद्यकाल कहना समीचीन नहीं है

(C) मध्यकाल के दो उपविभाग करना, शेष का न करना युक्ति-युक्त नहीं है

(D) विभाजन न काल को स्पष्ट कर पाया है न उनकी स्पष्ट प्रवृत्ति को

36. 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' ग्रन्थों में एक विशेष उल्लेख्य है—'हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास' जिसके रचयिता हैं

(A) डॉ० श्यामसुन्दर दास

(B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(C) डॉ० रामकुमार वर्मा

(D) पं० हजारी प्रसाद द्विवेदी

37. हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण करने वाले एक विद्वान ने इसका आरम्भ-काल 760 से 1300 ई० तक का मानते हुए नाम दिया है—सिद्ध-सामन्त युग। उनका नाम है

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(B) डॉ० रमाशंकर शुक्ल रसाल

(C) श्री राहुल सांकृत्यायन

(D) मिश्रबन्धु (श्री गणेश बिहारी मिश्र, श्री श्याम बिहारी मिश्र, डॉ० शुकदेव बिहारी मिश्र)

38. हिन्दी के आदिकालीन साहित्य के प्रमुख रस हैं

(A) वीर और शृंगार

(B) वीर और शान्त

(C) करुण और शान्त

(D) शृंगार और रौद्र

39. हिन्दी साहित्य के आदिकाल की लोकप्रिय रचना 'बेलि क्रिसन रुक्मणी री' के रचयिता कवि हैं

(A) कवि कुशललाभ

(B) मीराबाई

(C) श्री शिवदास चारण

(D) राठौड़ पृथीराज

40. हिन्दी साहित्य के आदिकालीन कवि विद्यापति की अनेक संस्कृत रचनाओं के अतिरिक्त जो अवहट्ठ रचनाएँ प्राप्त हैं, उनके नाम हैं

(A) कीर्त्तिलता, कीर्त्तिपताका

(B) गोरक्षविजय, कीर्त्तिपताका

(C) कीर्त्तिलता, पदावली के दो पद, गोरक्षविजय का पूर्वांश, कीर्त्तिपताका

(D) गोरक्षविजय नाट, कीर्त्तिपताका

41. निम्नलिखित में से सन्त कबीर किस श्रेणी के कवि हैं?

(A) ईश्वर प्रेम के आराधक

(B) समाज में परस्पर सौहार्द बनाने वाले

(C) जगह-जगह मठों की स्थापना करने वाले

(D) कला-पक्ष की अपेक्षा तत्त्व-पक्ष के निरूपक

www.bpscpathshala.com

42. हिन्दी साहित्य में मध्यकाल की प्रमुख प्रवृत्ति क्या है?

(A) ज्ञान-तत्त्व बखानना

(B) परस्पर मिलजुल कर रहने की शिक्षा देना

(C) लौकिक समस्याओं से निराश न हो' अलौकिक शक्ति से सहारा मिलने का विश्वास दिलाना

(D) अपने अन्तस में छिपी शक्ति को उभारना

43. हिन्दी साहित्य के मध्यकाल को दो उपविभागों में बाँटा गया है, वे उपविभाग हैं

(A) रीतिकाल, शृंगारकाल

(B) ज्ञानमार्गी, प्रेममार्गी

(C) पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल

(D) राम भक्तिकाल, कृष्ण भक्तिकाल

www.bpscpathshala.com

44. रीतिकाल के नाम को लेकर असन्तोष क्यों उभरा?

(A) रीति की प्रवृत्ति में इस काल की सभी रचनाओं का न समा पाना

(B) रीतिपरक रचनाओं का बाहुल्य न होना

(C) शृंगार रस श्रेणी की रचनाओं का प्राधान्य होना

(D) भक्ति रस की रचनाओं का रचा जाना जारी रहना

45. रीति या शृंगारकाल में प्रकृति-चित्रण करने वाले श्रेष्ठ कवि कौन हैं?

(A) महाकवि देव

(B) महाकवि बिहारी

(C) महाकवि श्रीपति

(D) महाकवि सेनापति

46. "आगे के कवि रीझिहैं

तौ कविताई, न तौ,

राधिका-कन्हाई सुमिरन

को बहानोहै।"

उपर्युक्त उक्ति किस विशेष कवि की रचना है?

(A) सूरदास

(B) भिखारी दास

(C) केशवदास

(D) बिहारी दास

47. भारतेन्दु युग में भाषा का कौन-सा स्वरूप विकसित हुआ?

(A) ब्रजभाषा

(B) खड़ीबोली

(C) अवधी

(D) हिन्दुस्तानी

48. भारतेन्दु युग में कविता की मुख्य भाषा कौन थी?

(A) अवधी

(B) बुन्देलखण्डी

(C) ब्रजभाषा

(D) उर्दू या रेखता

www.bpscpathshala.com

49. भारतेन्दु युग में कविता रचने की मुख्य भाषा कौन-सी थी?

(A) खड़ीबोली

(B) अवधी

(C) ब्रजभाषा

(D) बघेली

50. "अभिधा उत्तमकाव्य है
मध्य लक्षणालीन।
अधम व्यञ्जना रस निरस
उलटी कहत नवीन।"

उपर्युक्त छन्द किस कवि ने रचा है?

(A) सूरदास

(B) देव कवि

(C) केशवदास

(D) बिहारी दास

51. निम्नलिखित कवियों में से किस विशेष कवि की कविता से छायावाद का आरंभ माना जाता है?

(A) पं० माखनलाल चतुर्वेदी

(B) पं० मुकुटधर पाण्डेय

(C) श्री जयशंकर प्रसाद

(D) श्री मैथिलीशरण गुप्त

52. निम्नलिखित में से कौन-से विशेष समालोचक छायावाद को हिन्दी परिक्षेत्र की अपनी निजी परंपरा में विकसित **नहीं** मानते?

(A) पं० महावीर प्रसाद द्विवेदी

(B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(C) पं० नन्ददुलारे वाजपेयी

(D) डॉ० नगेन्द्र

53. हिन्दी कविता-धारा में विकसित 'रहस्यवाद', निम्नलिखित चिन्तन-पद्धतियों में से किस विशेष के प्रभाव में विकसित हुआ?

(A) फारसी भाषा क्षेत्र की मसनवी शैली के रहस्यवादी सूफी कवियों की विचारधारा के प्रभाव में

(B) पुराने ईसाई-सन्तों के छायाभास (फैंटासमाटा) और आध्यात्मिक प्रतीकवाद (सिंबॉलिज़्म के प्रभाव में)

(C) रवीन्द्रनाथ ठाकुर की 'गीताञ्जलि' में भारतीय रहस्य-काव्यों के साथ यूरोपीय रहस्य-भावना के मिश्रण से बंगाल में पनपे काव्यात्मक वातावरण के प्रभाव से

(D) हिन्दी कविता की अपनी विचारधारा में विकसित तत्वों को भारतीय पौराणिक-दार्शनिक तत्वों का मेल करने के प्रयासों से।

www.bpscpathshala.com

54. हिन्दी में प्रगतिवादी आन्दोलन आरंभ हुआ

(A) सन् 1932 ई० में

(B) सन् 1936 ई० में

(C) सन् 1941 ई० में

(D) सन् 1933 ई० में

55. प्रयोगवाद पर यह टिप्पणी कि :

"प्रयोग का कोई वाद नहीं है; प्रयोग अपने आपमें इष्ट नहीं साधन है।"

इनमें से किसकी है?

(A) अज्ञेय

(B) नेमिचन्द जैन

(C) मुक्तिबोध

(D) डॉ० रामविलास शर्मा

56. निम्नलिखित उपन्यासकारों में आंचलिक उपन्यासकार हैं

(A) मुंशी प्रेमचन्द

(B) यशपाल

(C) फणीश्वरनाथ रेणु

(D) इलाचन्द जोशी

57. हिन्दी में नाटक और नाटकों की रंगशालाओं में प्रस्तुति के पुरस्कर्ता व्यक्तित्व हैं

(A) राधाकृष्ण दास

(B) जयशंकर प्रसाद

(C) श्री हरिकृष्ण प्रेमी

(D) बाबू हरिश्चन्द्र

58. हिन्दी के प्रमुख समीक्षकों में, निम्नलिखित में से वे कौन हैं, जो समीक्षा की पुरानी परम्परा और आधुनिक परम्परा के संगम व्यक्तित्व हैं?

(A) डॉ० रामविलास शर्मा

(B) डॉ० नामवर सिंह

(C) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

(D) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

59. हिन्दी निबन्धकारों में श्रेष्ठ व्यक्ति व्यंजक निबन्धकार हैं

(A) कुबेरनाथ राय

(B) बाबू गुलाब राय

(C) डॉ० नगेन्द्र

(D) डॉ० भगीरथ मिश्र

60. हिन्दी संस्मरण साहित्य के आरंभकर्ता व्यक्तित्व हैं

(A) पं० बनारसीदास चतुर्वेदी

(B) पं० पद्मसिंह शर्मा

(C) महादेवी वर्मा

(D) राहुल सांकृत्यायन

61. "मानसरोवर सुभर जल,
हंसा केलि कराहिं।
मुकताहल मुकता चुगैं,
अब उड़ि अनत न जाहिं।।"

उपर्युक्त साखी में मुकताहल क्या है?

(A) मुक्ति का फल

(B) मुक्त फल

(C) मुक्ति हलाहल

(D) मुक्ति का कारक फल

62. "कबीर रेख सिन्दूर की,
काजल दिया न जाइ।
नैनूं रमइया रमि रहा,
दूजा कहाँ समाइ।।"

उपर्युक्त साखी में किस विशेष दार्शनिक सिद्धान्त का बखान है?

(A) द्वैताद्वैत

(B) अद्वैत

(C) विशिष्टाद्वैत

(D) द्वैत

www.bpscpathshala.com

63. अपने दार्शनिक मतवाद के बारे में कुछ बतलाए बिना भी कबीर क्यों हिन्दू-दर्शन के अनुयायी सिद्ध होते हैं?

(A) गुरु की प्रशंसा करने से

(B) अद्वैत-तत्त्वों की अधिकाधिक चर्चा करने से

(C) पूरब जनम की चर्चा से

(D) जीव में ही ब्रह्म की अनुभूति से

64. अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे होने पर भी कोई श्रेष्ठ कवि बन सकता है—कबीर जैसा; आधुनिक काल के किस विशेष कवि के कृतित्व से इसकी संपुष्टि होती है?

(A) श्री जयशंकर प्रसाद

(B) गजानन माधव 'मुक्तिबोध'

(C) नागार्जुन

(D) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

www.bpscpathshala.com

65. कबीर की रचनाओं पर इनमें से किस विशेष हिन्दीतर भाषा-भाषी विद्वान ने अधिक उल्लेखनीय कार्य किया?

(A) श्री क्षितिमोहन सेन

(B) रवीन्द्रनाथ टैगोर

(C) श्रीमती अन्डर हिल

(D) श्री कालीमोहन घोष

66. "लरिकाई को प्रेम कहौ अलि
कैसे छूटत?
कहा कहौं ब्रजनाथ चरित अब
अन्तर गति यों लूटत।।"

उपर्युक्त चरणों वाले पद में सूरदास किस साक्ष्य के आधार पर निर्गुण ब्रह्मवाद का खण्डन करते हैं?

(A) लड़कपने में उनसे की गई प्रेम-प्रीति से

(B) उनकी रूप माधुरी के चित्रण से

(C) कृष्ण के नटवर रूप धारण से

(D) बाह्य स्थित स्वरूप द्वारा अन्दर की चित्तवृत्ति पर भी अधिकार कर लेने से

67. "लोचन चारु चपल खंजन,
मनरंजन हृदय हमारे।
रुचिर कमल मृग मीन मनोहर,
स्वेत अरुन अरु कारे।।"

उपर्युक्त पद में गोपियों ने नेत्रों के 'श्वेत', 'श्याम', 'रतनार' रूप की तुलना करते हुए श्रीकृष्ण के नेत्रों के उज्वल वर्ण की उपमा निम्नलिखित में से किस विशेष से की है?

(A) खंजन पक्षी

(B) मृग लोचन

(C) मीन

(D) कमल

68. 'सूरसागर' की संरचना से संबंधित निम्नलिखित टिप्पणियों में से कौन-सा सर्वथा सटीक है?

(A) 'सूरसागर' जैसी विशाल रचना में श्रीकृष्ण के जीवन का पूरा चरित्र चित्रित हुआ है।

(B) सूरदास श्रीकृष्ण चरित्र के सम्पूर्ण जीवन का कोना-कोना झाँक आए हैं।

(C) परस्पर असंलग्न पदों का संग्रह होने के कारण 'सूरसागर' उत्तम काव्य नहीं बन पाया है।

(D) विधान की दृष्टि से 'सूरसागर' ऐसा उन्मुक्त प्रबन्ध कहा जा सकता है, जहाँ एक सूक्ष्मकथा क्रम है।

69. "पुत्रि पवित्र किए कुल दोऊ।
सुजस धवल जगु कह सबु कोऊ।
जिति सुर सरि कीरति सरि तोरी।
गवनु कीन्ह बिधि अंड करोरी।।
गंग अवनि थल कीन्ह बड़ेरे।
यह किएँ साधु-समाज बड़ेरे।।"

उपर्युक्त चौपाइयों में गंगा की कीर्ति को जीत लेने का श्रेय किसे दिया गया है?

(A) दशरथ और जनक के दोनों कुलों की मर्यादा को

(B) सुजस को धवल कर देने की महान क्रिया को

(C) पुत्री की कीर्ति रूपी जो नई गंगा प्रवाहित हुई है, उसे

(D) गंगा ने जो पृथ्वी के तीन तीर्थों को धन्य किया है, उस महान कार्य को

www.bpscpathshala.com

70. "भागीरथी जलुपान करौं
अरु नाम द्वै राम के लेत निते हौं।
मोको न लेनो, न देनो कछू,
कलि भूलि न रावरे ओर चितैहौं।
जानि के जोरु करौ, परिनाम,
तुम्है पछितैहौ, पै मैं न भितैहौं,
ब्राह्मन ज्यौं उगिल्यो उर गारि,
हौं त्यौं हीं तुम्हारे हिऐ न हितैहौं।"

उपर्युक्त कवित्त छन्द में तुलसी ने कलिकालाधिपति को अपना कुछ न बिगाड़ पाने का मुख्य कारण क्या बतलाया है?

(A) नित्य प्रति गंगा का जल पीना

(B) गरुड़ ने निगले हुए को विवश हो जैसे उगल दिया था, वैसा ही होना

(C) बराबर राम का नाम स्मरण करना

(D) कलि से किसी प्रकार का संबंध न रखना

71. "भाषाबद्ध करन मैं सोई।।" की तुलसीदास की घोषणा 'रामचरितमानस' की भाषा का पर्यवेक्षण से कैसी-कैसी दिखाई देती है?

(A) प्रायः काण्डों का आरंभ संस्कृत भाषा में, अधिकांशतः बोलचाल की अवधी—जिसे ही उन्होंने भाषा कहा था, होकर भी जगह-जगह संस्कृताइज़्ड है जिस पर व्याकरण ब्रज भाषा का है, आम जनता की ठेठ अवधी ठेठ भोजपुरी भाषा मिश्रित सी है।

(B) मानस में ठेठ अवधी की अपेक्षा व्याकरण निष्ठ अवधी, स्तोत्रों में संस्कृत, चौपाइयों तक का बँधान संस्कृत में है। छन्द भी वर्णवृत्त के भरे पड़े हैं।

(C) तुलसी के समय चार-पाँच सौ वर्ष बाद वाली आज की अवधी से उनकी समसामयिक अवधी का अन्दाज़ा लगाना कठिन होने से, संभव है कि उनके युग के अनुरूप की ही अवधी भाषा में कृति प्रस्तुत हुई हो।

(D) तुलसीपूर्व जो रामकथा मात्र संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश में थी, उसे भाषा में उतारने पर ऐसी ही अवधी भाषा बन सकती थी।

72. 'रामचरितमानस' में चित्रित सर्वोत्तम पुरुष चरित्र है

(A) श्री राम

(B) श्री भरत

(C) गुरु वशिष्ठ

(D) राजा जनक

73. "उमा जे राम चरन रत,
बिगत काम मद क्रोध।
निज प्रभुमय देखहि जगत
केहि सन करहिं बिरोध।।"

'रामचरितमानस' विविध वक्ताओं द्वारा विविध श्रोताओं को लक्ष्य कर कही गई है। उपर्युक्त दोहा किस विशेष वक्ता का किस विशेष परिस्थिति में कथन है?

(A) श्री शिव शंभु का माता पार्वती के प्रति जब नारद ने भगवान विष्णु को शाप दिया, तो उनके विरोधी भाव को अकारण हुआ देखते हुए

(B) श्री शिव शंभु का माता उमा से ब्राह्मण बालक को कौआ होने का शाप दे देने पर-काग हो जाने पर भी उसके विरोध न करने पर

(C) काग-भुशुण्डि द्वारा पक्षिराज गरुड़ से कथन, जब अपनी पक्षी योनि को ही ठीक बता रहे थे

(D) श्री शिव शंभु द्वारा गरुड़ को जब उन्होंने गरुड़ को रामकथा सुनने के लिए काग-भुशुण्डि के पास जाने को कहा था

74. भारतेन्दु (बाबू हरिश्चन्द्र) द्वारा लिखित और अपनी मित्र-मण्डली के सहयोग से बलिया और वाराणसी में कई-कई बार मंचित नाटक 'अन्धेर नगरी' नाटक-साहित्य की किस विशेष विधा की कृति है?

(A) प्रहसन

(B) पौराणिक

(C) स्वांग

(D) व्यंग्य विनोदमय क्लैसिक

www.bpscpathshala.com

75. "सन् ई० 1871 में हिन्दी नये चाल में ढली।" निम्नलिखित साहित्यकारों में से किस विशेष की घोषणा है?

(A) डॉ० रामविलास शर्मा

(B) पं० महावीर प्रसाद द्विवेदी

(C) बाबू हरिश्चन्द्र भारतेन्दु

(D) डॉ० नलिन विलोचन शर्मा

76. "पुरुष ने अपने अभिमान में अपनी कीर्ति को अधिक महत्त्व दिया। वह अपने भाई का सत्व छीन कर, उसका रक्त बहाकर समझने लगा-उसने बहुत बड़ी विजय पाई।"

उपर्युक्त कथन हिन्दी के किस श्रेष्ठ लेखक का है?

(A) श्री जयशंकर प्रसाद

(B) श्री गजानन माधव 'मुक्तिबोध'

(C) श्री अज्ञेय

(D) मुंशी प्रेमचन्द

77. "एक टका दो, हम अभी अपनी बात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राह्मण-ब्राह्मण से धोबी हो जाएँ, और धोबी को ब्राह्मण कर दें। टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था कर दें।"

www.bpscpathshala.com

उपर्युक्त संवाद का लक्ष्य है

(A) जातियों की शुद्धता पर आँच न आने देना

(B) अंग्रेजी-शासन सत्ता के अत्याचारों से ग्रसित जनता का अपने दुश्मन से लड़ने की जगह आपसी द्वन्द्वों में फँसा रहना

(C) अच्छाई-बुराई, शुद्ध-अशुद्ध सभी का एक भाव एक करने की प्रवृत्ति की निन्दा

(D) नाटक पढ़ या देख रही जनता में हास्य-भाव जगाना

78. प्रेमचन्द की रचनाओं को देखते हुए उनका सच्चा स्वरूप है

(A) आदर्शोन्मुख यथार्थवादी

(B) यथार्थोन्मुख आदर्शवादी

(C) प्रगतिवादी

(D) मानवीय मर्यादा सजग यथार्थवादी

79. "अपने हेड मास्टर साहब को देखो। एम० ए० हैं, यहाँ के एम० ए० नहीं ऑक्सफोर्ड के। एक हजार पाते हैं; लेकिन घर का इन्तजाम कौन करता है? उनकी बूढ़ी माँ।"

उपर्युक्त बयान प्रेमचन्द रचित किस कहानी का है?

(A) 'पूस की रात' का

(B) 'ईदगाह' का

(C) 'माँ' का

(D) 'बड़े भाई साहब' का

80. "जिस वस्तु को मनुष्य दे नहीं सकता उसे ले लेने की स्पर्धा से बढ़ कर दूसरा दम्भ नहीं।"

'चन्द्रगुप्त' नाटक में उपर्युक्त संवाद किसका है?

(A) चाणक्य का

(B) सिंहरण का

(C) पर्वतेश्वर का

(D) दाण्ड्यायन का

81. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में निम्नलिखित संवाद किस पात्र का है?

"समझदारी आने से पहले यौवन चला जाता है,— जब तक माला गूँथी जाती है, तब तक फूल मुरझा जाते हैं।"

(A) चाणक्य का

(B) दाण्ड्यायन का

(C) सुवासिनी का

(D) वररुचि का

82. भारतीय नाट्यशास्त्र के विधानानुसार 'चन्द्रगुप्त' नाटक का अंगी रस कौन-सा है?

(A) शृंगार

(B) वीर

(C) रौद्र

(D) करुण

83. "हिन्दी नाटक साहित्य के सर्वोत्तम सर्जक होते हुए भी जयशंकर प्रसाद जी अपने 'चन्द्रगुप्त' नाटक को सर्वोत्तम नहीं बना सके हैं।" इस कथन की यथार्थता का संभाव्य कारण है।

(A) भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्यशास्त्र विनियमों का मिश्रण

(B) प्रसाद जी का नाट्यशिल्प में प्रवीण न होना

(C) काल का असीमित विस्तार, पात्रों की बहुलता, भाषा की सुबोधता की कमी और दृश्यों की जटिलता

(D) रंगमंच संचालकों द्वारा 'चन्द्रगुप्त' नाटक के मंचन से परहेज करना

84. "मैं रति की प्रतिकृति लज्जा हूँ,
मैं शालीनता सिखाती हूँ।"

उपर्युक्त चरणों का सही अभिप्राय है

(A) लज्जा युवतियों का आभूषण है।

(B) लज्जा उसी तरह रति की प्रतिकृति है, जैसे काम अब मानव सृष्टि में अनंग है। देव सृष्टि में रति तृप्ति दिलाती थी यहाँ संयम कराती है।

(C) लज्जा रूप में रति नारी की चंचलता दूर करती है।

(D) लज्जा से स्त्री के चरण बँध जाते हैं, वह चलते हुए फिर फिसलती नहीं।

85. निम्नलिखित पद के चरण 'कामायनी' के किस सर्ग के हैं?

"यह प्रकृति परम रमणीय
अखिल ऐश्वर्य भरी शोधक विहीन।
तुम उसका पटल खोलने में
परिकर कसकर बन कर्मलीन।
सबका नियमन शासन करते
बस बढ़ा चलो अपनी क्षमता।।"

(A) श्रद्धा सर्ग

(B) इड़ा सर्ग

(C) चिन्ता सर्ग

(D) लज्जा सर्ग

www.bpscpathshala.com

86. चिन्तामणि (पहला भाग) में संग्रहीत आचार्य शुक्ल के निबन्ध निम्नलिखित में से किस विशेष श्रेणी के हैं?

(A) मनोभाव-संबंधी, साहित्यिक सिद्धान्त-संबंधी और साहित्य समीक्षा-संबंधी

(B) व्यक्ति व्यंजक, साहित्य शास्त्रीय एवं विषय विश्लेषण-संबंधी

(C) भाव विश्लेषण, साहित्य सिद्धान्त विश्लेषण एवं काव्य प्रतिमान निरूपण-संबंधी

(D) बौद्धिक चिन्तन, हार्दिक भाव-प्रवाह एवं मनोविज्ञान-संबंधी

87. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्धों को किस विशेष श्रेणी में रखना उचित है?

(A) व्यक्ति व्यञ्जक निबन्ध

(B) वस्तु व्यञ्जक निबन्ध

(C) बौद्धिकता के साथ हृदय की अनुभूतियों से समन्वित

(D) विषय प्रतिपादन के साथ सिद्धान्त निरूपण-संबंधी

www.bpscpathshala.com

88. "व्यक्ति-संबंधहीन सिद्धान्त-मार्ग निश्चयात्मिका बुद्धि को चाहे व्यक्त हों, पर प्रवर्तक मन को अव्यक्त रहते हैं। वे मनोरंजनकारी तभी लगते हैं, जब किसी व्यक्ति के जीवन-क्रम के रूप में देखे जाते हैं।"

उपर्युक्त वक्तव्य 'चिन्तामणि' संग्रह के निम्नलिखित में से किस निबन्ध का अंश है?

(A) 'श्रद्धा-भक्ति' का

(B) 'लोभ और प्रीति' का

(C) 'ईर्ष्या' का

(D) 'करुणा' का

89. "प्रेमी जगत् के बीच अपने अस्तित्व की रमणीयता का अनुभव आप भी करता है और अपने प्रिय को भी कराना चाहता है।"—यह वाक्य आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निम्नलिखित में से किस निबन्ध का अंश है?

(A) 'श्रद्धा-भक्ति'

(B) 'उत्साह'

(C) 'ईर्ष्या'

(D) 'लोभ और प्रीति'

90. पं० महावीर प्रसाद द्विवेदी अपने समय की किसी भी साहित्य-विधा के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकार नहीं थे, किन्तु हिन्दी साहित्य के इतिहासों में उनके समय को 'द्विवेदी-युग' कहा जाता है, किन्तु आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जिन्होंने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' लिख कर हिन्दी को प्रतिष्ठा दी। निबन्ध-समालोचना के अग्रणी साहित्यकार थे, उस समय की हर विधा के रचनाकारों पर उनका प्रत्यक्ष प्रभाव था, फिर भी उनके नाम पर कोई 'रामचन्द्र शुक्ल युग' नहीं कहा गया। इसका सर्वप्रमुख कारण है

(A) आचार्य शुक्ल की अपेक्षा प्रसादनिराला-पंत का श्रेष्ठ कवि होना

(B) आचार्य शुक्ल की अपेक्षा उपन्यासकार प्रेमचन्द का अधिक प्रभाव होना

(C) प्रेमचन्द, दिनकर, पन्त, जैनेन्द्र, हरिवंश राय बच्चन का उनसे अधिक लोकप्रिय होना

(D) किसी भी विधा के श्रेष्ठ लेखक न होकर भी महावीर प्रसाद द्विवेदी ने जिस तरह समस्त खड़ीबोली भाषा और साहित्य का नियमन किया वैसा आचार्य शुक्ल द्वारा न कर पाना

91. "धन्ये! मैं पिता निरर्थक था, कुछ भी तेरे हित न कर सका।" पं० सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की किस कविता के चरण हैं?

(A) 'वह तोड़ती पत्थर'

(B) 'जूही की कली'

(C) 'बेला'

(D) 'सरोज-स्मृति'

92. कन्या की यौवन छवि को पिता कवि ने अपनी इन पंक्तियों में किस उपमा से निरूपित किया है?

'देखा मैंने वह मूर्ति-धीति
मेरे बसन्त की प्रथम गीति-
शृंगार, रहा जो निराकार,
रस कविता में उच्छ्वसित धार
गाया स्वर्गीया प्रिया संग
भरता प्राणों में राग-रंग।"

(A) यौवन-बसन्त का प्रथम शृंगार गीत

(B) स्वर्गीया प्रिया की स्मृति साकार

(C) प्रसन्नता से गाई हुई कविता

(D) निर्गुण आकाश का सगुण पृथ्वी रूप

93. "धिक् जीवन जो पाता ही
आया है विरोध।
धिक् साधन जिसके लिये
सदा ही किया शोध।"

हिन्दी की किस विशेष कविता की पंक्तियाँ हैं?

(A) 'आँसू'

(B) 'असाध्य वीणा'

(C) 'राम की शक्तिपूजा'

(D) 'अंधेरे में'

94. 'राम की शक्तिपूजा' कविता में जाम्बवान का परामर्श—"शक्ति की करो मौलिक कल्पना" का तात्पर्य है

www.bpscpathshala.com

(A) शक्ति का संधान अपने बल-बूते की मौलिक साधना से ही संभव है, किसी प्रबल-से-प्रबल के भी अनुकरण से नहीं

(B) किसी दूसरी महाशक्ति के आसरे बैठना ठीक नहीं, अपने संसाधन जुटाओ

(C) विजय प्राप्ति के लिए संसाधन इकट्ठे करो

(D) सबकुछ छोड़कर शक्ति पूजा-पाठ में लग जाओ

95. हिन्दी उपन्यास साहित्य में उत्तर भारतीय ग्रामीण कृषक जीवन का जो जीवन्त रूप 'गोदान' में प्रस्तुत हुआ उस परम्परा का आगे फिर सफल निर्वाह निम्नलिखित में से किस विशेष में हो सका है?

(A) 'शेखर : एक जीवनी'

(B) 'अलग-अलग बैतरणी'

(C) 'मैला-आँचल'

(D) 'आधा गाँव'

96. 'शेखर : एक जीवनी' निम्नलिखित में से किस विशेष श्रेणी की काव्य-कृति है?

(A) जीवनी साहित्य

(B) जीवनीमूलक कथा-साहित्य

(C) आत्मकथामूलक कथा-साहित्य

(D) उपन्यास साहित्य

www.bpscpathshala.com

97. "'अँधेरे में' कविता, अभिशाप और नियति की अनवरत टकराहट में अपने को खोलती है, और कभी पूरी नहीं होती।" 'मुक्तिबोध' की इस कविता पर यह सम्मति निम्नलिखित में से किस विद्वान समालोचक की है?

(A) डॉ० नामवर सिंह

(B) डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी

(C) डॉ० रामविलास शर्मा

(D) श्री शमशेर बहादुर सिंह

98. 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' कविता-संग्रह में प्रकाशित होने से पहले 'अँधेरे में' कविता कहाँ प्रकाशित हुई थी?

(A) 'तारसप्तक' में

(B) 'आत्मनेपद' कविता-संग्रह में

(C) 'दूसरा सप्तक' में

(D) 'कल्पना' पत्रिका के सन् 1964 के अंक में

99. श्री गजानन माधव 'मुक्तिबोध' की कविता की भाषा निम्नलिखित में से किस विशेष प्रकार की है?

(A) तत्सम बहुला

(B) तद्भव बहुला

(C) तत्समता आवरण में तद्भव एवं देशज

(D) खामोश तद्भवी प्रयोग प्रधान

100. निम्नलिखित चार-चार कृतिकारों के समूह में कौन-सा विशेष समूह है जिसके सभी सदस्य बिहार प्रदेश के मूल निवासी थे?

(A) सिद्ध सरहपाद, विद्यापति, रामधारी सिंह दिनकर, फणीश्वरनाथ रेणु

(B) आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागार्जुन, गोपाल सिंह नेपाली

(C) जानकी बल्लभ शास्त्री, नलिन विलोचन शर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी

(D) कवि जयदेव, कवि विद्यापति, गुरु गोरखनाथ, हरदेव बाहरी